नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

पुस्तक मेले में डॉ. विद्या कलसाईत की पुस्तक का लोकार्पण

वर्धा, दि. 17 अक्टूबर 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित मुंशी प्रेमचंद

राष्ट्रीय पुस्तक मेले में 14 अक्टूबर को डॉ. विद्या राजेन्द्र कलसाईत की पुस्तक 'समकालीन हिंदी-मराठी कविता अवधारणा एवं विश्लेषण' का लोकार्पण किया गया। समता भवन के प्रांगण में आयोजित समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. अनंतराम त्रिपाठी, वरिष्ठ कथाकार चित्रा मुद्गल, कथाकार डॉ. उषा शर्मा, कथाकार कुमुद शर्मा मंचासीन थे। लोकार्पण समारोह में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, सुशीला टाकभोरे, कमला साहनी, पुस्तक मेले के संयोजक प्रो. अखिलेश दुबे, सहसंयोजक डॉ. बीर पाल सिंह यादव सहित देशभर से आए 70 से अधिक प्रकाशक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डॉ. कलसाईत ने विश्वविद्यालय से ही साहित्य विद्यापीठ में पी.एचडी. उपाधि प्राप्त की है। उनकी यह पुस्तक प्रिय साहित्य सदन दिल्ली से प्रकाशित हुई है। 180 पृष्ठों की पुस्तक में समकालीनता की अवधारणा, समकालीन हिंदी मराठी-दलित कविता, दलित कविता की वैचारिकी, कविता का संवेदना पक्ष एवं कविता का संरचनात्मक स्वरूप आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी है।

ग्रंथ प्रदर्शनात डॉ. विद्या कळसाईत यांच्या पुस्तकाचे लोकार्पण

वर्धा, दि. 17 ऑक्टोबर 2018 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा येथे आयोजित मुंशी प्रेमचंद राष्ट्रीय ग्रंथ प्रदर्शनात 14 ऑक्टोबर रोजी डॉ. विद्या राजेन्द्र कळसाईत, वर्धा यांच्या 'समकालीन हिंदी-मराठी कविता अवधारणा एवं विश्लेषण' या पुस्तकाचे लोकार्पण करण्यात आले. ग्रंथाचे लोकार्पण समता भवनाच्या प्रांगणात आयोजित समारंभात वरिष्ठ साहित्यिक प्रो. अनंतराम त्रिपाठी, वरिष्ठ कथाकार चित्रा मुद्गल, कथाकार डॉ. उषा शर्मा, कथाकार कुमुद शर्मा यांच्या उपस्थितीत करण्यात आले. यावेळी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र, सुशीला टाकभोरे, कमला साहनी, संयोजक प्रो. अखिलेश दुबे, सह-संयोजक डॉ. बीर पाल सिंह यादव यांच्यासह, प्रकाशक, अध्यापक आणि विद्यार्थी मोठया संख्येने हजर होते.

डॉ. कळसाईत यांनी महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातूनच पी.एचडी. उपाधी घेतली आहे. त्यांचे हे पुस्तक प्रिय साहित्य सदन, दिल्ली येथून प्रकाशित झाले आहे. 180 पृष्ठांच्या पुस्तकात समकालीनता की अवधारणा, समकालीन हिंदी मराठी-दलित कविता, दलित कविता की वैचारिकी, कविता का संवेदना पक्ष एवं कविता का संरचनात्मक स्वरूप इत्यादी विषयांवर विस्ताराने चर्चा करण्यात आली आहे.